केरल में चमगादड़ों से जुड़े मथिक

स्रोत: द हिंदू

हाल ही में केरल के शोधकर्त्ताओं ने **चमगादड़ वर्गीकरण (Taxonomy), ध्वनिकी (Acoustics) और जैवभूगोल (Biogeography)** पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये हैं।

- **मथिक (Myth)**, अंधविश्वास और कोविड-19 तथा निपाह वायरस संक्रमण जैसी जूनोटिक बीमारियों ने चमगादड़ों के बारे में नकारात्मक धारणा बनाई है।
- इस परियोजना का उद्देश्य उभरती **जूनोटिक बीमारियों** और चमगादड़ों की आबादी के सामने आने वाले खतरों से निपटना है, जिसमें निवास स्थान की हानि तथा **फलों के चमगादड़ों के निवास स्थान का समाप्त होना शामिल है।**
- केरल के शोधकर्त्ता भी वर्ष **1996** से चल रहे **राष्ट्रीय चमगादड़ निगरानी कार्यक्रम (National Bat Monitoring Programme) का समर्थन** कर रहे हैं।
  - यह हमें **चमगादड़ों के संरक्षण** में सहायता के लिये आवश्यक जानकारी देता है।

चमगादड़ (Bats):

- भारत चमगादड़ों की 135 प्रजातियों का घर है। चमगादड़ **रात्रिचर (nocturnal) प्राणी** हैं।
- चमगादड़ आम तौर पर **फलों को खाते हैं, बीज फैलाव द्वारा परागण में मदद करते हैं, लेकिन कृषि को नुकसान भी पहुँचाते हैं और इसलिये उन्हें** कीट **(vermin) माना जाता है।**
- **अवैध शिकार, माँस की खपत, पारंपरिक दवाओं में उपयोग, जलवायु परिवर्तन,** पर्यावरण प्रदूषण **और जैविक आक्रमण** के कारण दुनिया भर में **चमगादड़ों की आबादी में गिरावट** आई है।

और पढ़ें: आक्रामक विदेशी प्रजातियाँ

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/dispelling-myths-around-bats-in-kerala